



?????

10 Jan 2026

09:23 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120894002

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 10/01/2026
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 21:23:00 घंटे
इष्ट _____: 35:18:44 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 21:01:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:07:26 घंटे
साम्पातिक काल _____: 04:22:36 घंटे
सूर्योदय _____: 07:15:30 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:42:03 घंटे
दिनमान _____: 10:26:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 26:11:26 धनु
लग्न के अंश _____: 14:24:00 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: चित्रा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: सुकर्मा
करण _____: कौलव
गण _____: राक्षस
योनि _____: व्याघ्र
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

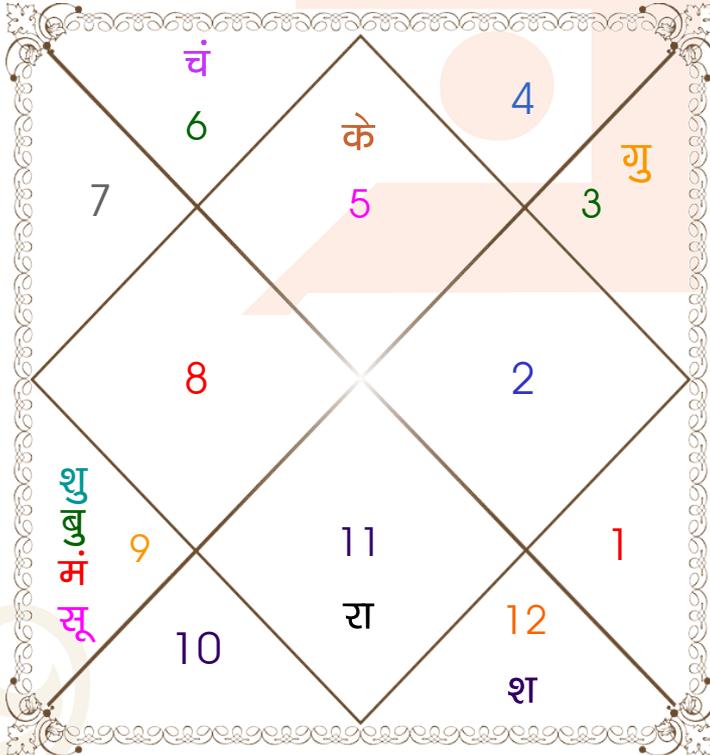
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:24:00	314:49:33	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			धनु	26:11:26	01:01:08	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	26:13:42	12:07:01	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल	अ		धनु	25:54:02	00:46:21	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध	अ		धनु	19:27:13	01:35:12	पूर्वाषाढा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:50:43	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र	अ		धनु	27:08:23	01:15:28	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			मीन	02:34:41	00:04:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:06:25	00:00:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:06:25	00:00:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:29:39	00:01:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:25:47	00:01:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:47:38	00:01:53	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	13:13:49	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

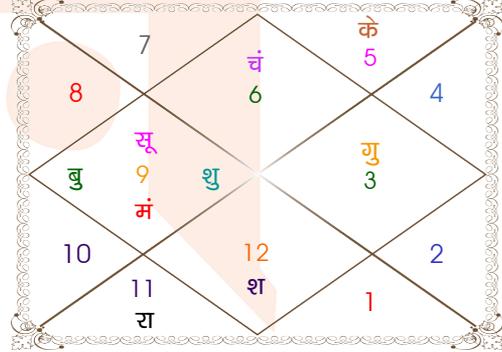
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

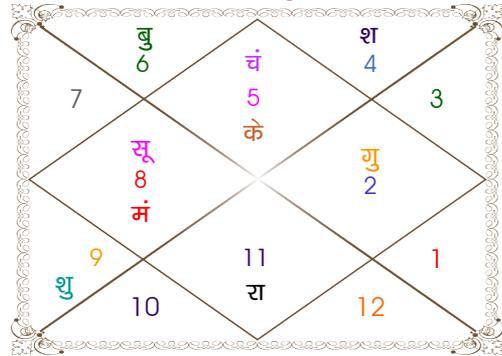
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 5 मास 23 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
10/01/2026	05/07/2031	04/07/2049	04/07/2065	04/07/2084
05/07/2031	04/07/2049	04/07/2065	04/07/2084	05/07/2101
00/00/0000	राहु 17/03/2034	गुरु 23/08/2051	शनि 07/07/2068	बुध 01/12/2086
10/01/2026	गुरु 10/08/2036	शनि 05/03/2054	बुध 17/03/2071	केतु 28/11/2087
गुरु 25/11/2026	शनि 17/06/2039	बुध 10/06/2056	केतु 25/04/2072	शुक्र 28/09/2090
शनि 04/01/2028	बुध 03/01/2042	केतु 17/05/2057	शुक्र 26/06/2075	सूर्य 04/08/2091
बुध 31/12/2028	केतु 22/01/2043	शुक्र 16/01/2060	सूर्य 07/06/2076	चंद्र 03/01/2093
केतु 29/05/2029	शुक्र 21/01/2046	सूर्य 03/11/2060	चंद्र 06/01/2078	मंगल 31/12/2093
शुक्र 29/07/2030	सूर्य 16/12/2046	चंद्र 05/03/2062	मंगल 15/02/2079	राहु 19/07/2096
सूर्य 04/12/2030	चंद्र 16/06/2048	मंगल 09/02/2063	राहु 22/12/2081	गुरु 25/10/2098
चंद्र 05/07/2031	मंगल 04/07/2049	राहु 04/07/2065	गुरु 04/07/2084	शनि 05/07/2101

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
05/07/2101	05/07/2108	05/07/2128	06/07/2134	05/07/2144
05/07/2108	05/07/2128	06/07/2134	05/07/2144	00/00/0000
केतु 02/12/2101	शुक्र 05/11/2111	सूर्य 23/10/2128	चंद्र 06/05/2135	मंगल 01/12/2144
शुक्र 01/02/2103	सूर्य 04/11/2112	चंद्र 23/04/2129	मंगल 05/12/2135	राहु 20/12/2145
सूर्य 09/06/2103	चंद्र 06/07/2114	मंगल 29/08/2129	राहु 05/06/2137	गुरु 11/01/2146
चंद्र 08/01/2104	मंगल 05/09/2115	राहु 24/07/2130	गुरु 05/10/2138	00/00/0000
मंगल 05/06/2104	राहु 05/09/2118	गुरु 12/05/2131	शनि 05/05/2140	00/00/0000
राहु 23/06/2105	गुरु 06/05/2121	शनि 23/04/2132	बुध 05/10/2141	00/00/0000
गुरु 30/05/2106	शनि 05/07/2124	बुध 28/02/2133	केतु 06/05/2142	00/00/0000
शनि 09/07/2107	बुध 06/05/2127	केतु 05/07/2133	शुक्र 05/01/2144	00/00/0000
बुध 05/07/2108	केतु 05/07/2128	शुक्र 06/07/2134	सूर्य 05/07/2144	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 5 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जायेंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् “पांचों उंगुली घी में” जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामर्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोई समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान हैं।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम हैं तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुड़ी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाते। उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।